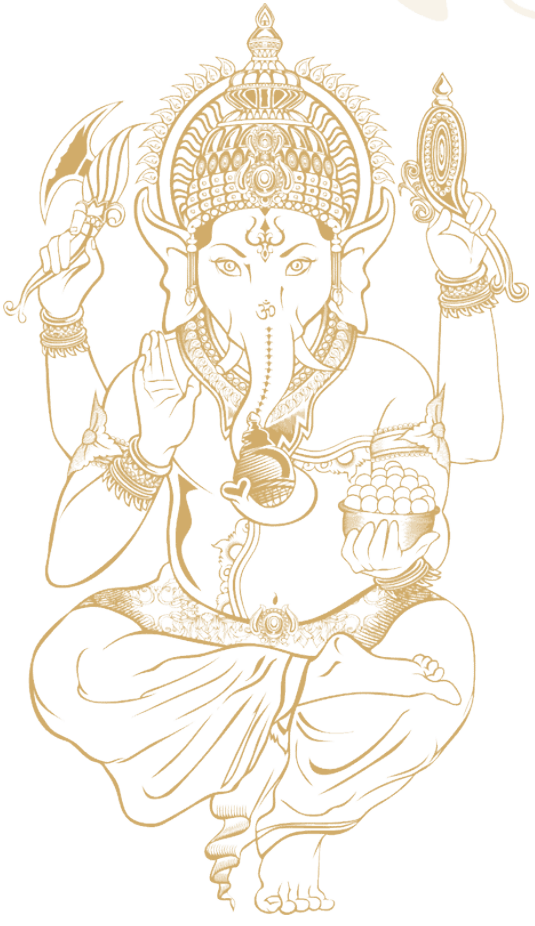

Abhishek Tiwari

Ms. Meghna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120450407

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/09/1995	जन्म तिथि	03/09/1998
सोम-मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 04:28:00	जन्म समय	07:15:00 घंटे
घटी 55:21:14	जन्म समय(घटी)	02:19:09 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Churu
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	28:18:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	75:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:30:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:19:30	सूर्योदय	06:09:07
18:46:43	सूर्यास्त	18:49:16
23:47:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी
शुक्र 6वर्ष 3मा 1दि

राहु	
06/12/2024	
06/12/2042	
राहु	19/08/2027
गुरु	11/01/2030
शनि	17/11/2032
बुध	07/06/2035
केतु	24/06/2036
शुक्र	25/06/2039
सूर्य	19/05/2040
चन्द्र	18/11/2041
मंगल	06/12/2042

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कर्क	21:45:20
सूर्य	सिंह	18:08:13
चंद्र	धनु	22:29:51
मंगल	तुला	04:39:45
बुध	कन्या	14:40:51
गुरु व	वृश्चि	13:22:14
शुक्र	सिंह	22:13:40
शनि व	कुंभ व	28:16:45
राहु	तुला व	03:41:51
केतु	मेष व	03:41:51
हर्ष व	मक व	03:07:37
नेप व	धनु व	29:12:58
प्लूटो	वृश्चि	04:13:35

राशि	अंश
कन्या	00:11:59
सिंह	16:32:22
मक	01:53:30
कर्क	14:39:39
कर्क	28:45:50
मीन	00:55:15
सिंह	01:33:06
मेष	09:30:06
सिंह	07:38:08
कुंभ	07:38:08
मक	15:46:46
मक	05:56:00
वृश्चि	11:32:53

विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 7मा 23दि

राहु	
28/04/2019	
27/04/2037	
राहु	08/01/2022
गुरु	03/06/2024
शनि	09/04/2027
बुध	27/10/2029
केतु	14/11/2030
शुक्र	14/11/2033
सूर्य	09/10/2034
चन्द्र	09/04/2036
मंगल	27/04/2037

लग्न-चलित

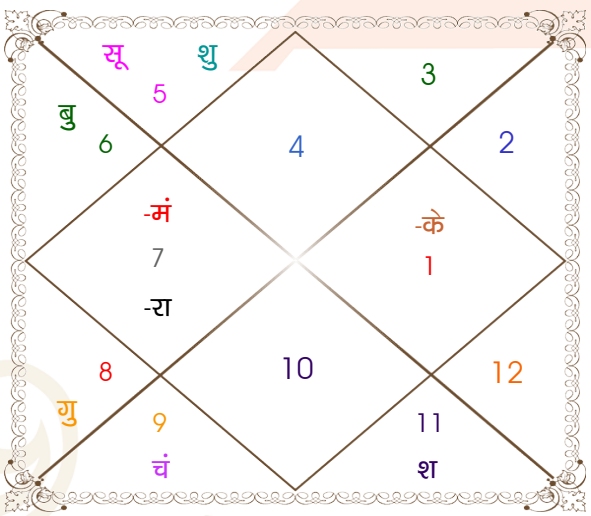

लग्न-चलित

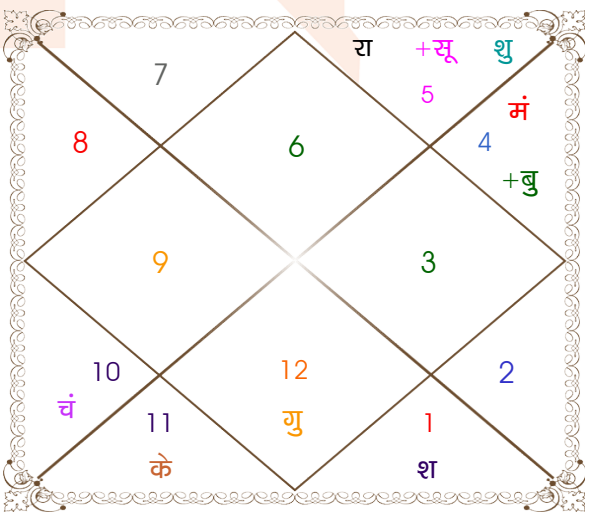

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

।ईपेंीमा ज्पूंतप का वर्ग मूषक है तथा Ms. Meghna का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।ईपेंीमा ज्पूंतप और Ms. Meghna का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।ईपेंीमा ज्पूंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।ईपेंीमा ज्पूंतप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Meghna मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. Meghna कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ꠋईपीमा ज्पूंतप तथा Ms. Meghna में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।